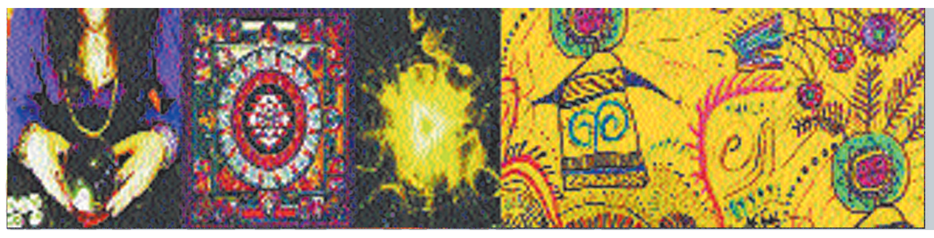

जीवन को समझने का माध्यम है ज्योतिष

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

अंतत : ज्योतिष का सार इसी में निहित है कि वह व्यक्ति को भाग्यवादी निष्क्रियता की ओर न ले जाए . इसका वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति को अपने जीवन की परिस्थितियों को समझने, स्वीकार करने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने की प्रेरणा देना है . इसी संतुलित दृष्टिकोण के कारण ज्योतिष आज भी बदलते समय में अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है .

आज का मनुष्य जितना तकनीक से घिरा हुआ है, उतना ही मानसिक असंतुलन से भी जूझ रहा है. तेज़ जीवन-गति, अस्थिर करियर, पारिवारिक तनाव और भविष्य को लेकर अनिश्चितता ने व्यक्ति को भीतर से बेचैन कर दिया है. ऐसे समय में ज्योतिष की ओर लोगों का झुकाव केवल आस्था का विषय नहीं रह जाता, बल्कि यह जीवन को समझने की एक कोशिश बन जाता है. यही कारण है कि आधुनिक, शिक्षित और तकनीकी समाज में भी ज्योतिष अपनी उपस्थिति बनाए हुए है.

ज्योतिष को प्राय: भविष्य बताने वाली विद्या समझ लिया जाता है, जबकि उसका वास्तविक स्वरूप कहीं अधिक व्यापक है. भारतीय परंपरा में ज्योतिष जीवन-दर्शन का अंग रहा है, जो मनुष्य के स्वभाव, मानसिक प्रवृत्तियों और समय-चक्र को समझने का प्रयास करता है. जन्मकुंडली के माध्यम से ग्रहों की स्थिति व्यक्ति के जीवन की परिस्थितियों को प्रतीकात्मक भाषा में प्रस्तुत करती है. इससे व्यक्ति को यह बोध होता है कि उसकी समस्याएँ केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि समय और परिस्थितियों से जुड़ी हैं.

मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में ज्योतिष का महत्व विशेष रूप से उभर कर सामने आता है. जब कोई व्यक्ति तनाव, भय या अनिश्चितता से गुजरता है, तो वह केवल समाधान नहीं, बल्कि अपनी स्थिति की व्याख्या चाहता है. ज्योतिष इस व्याख्या की भूमिका निभाता है. यह व्यक्ति को यह समझाने में मदद करता है कि जीवन में कठिन दौर भी आते हैं और वे स्थायी नहीं होते. यह बोध अपने आप में मानसिक राहत प्रदान करता है.

ज्योतिषीय उपायों को अक्सर चमत्कारिक समाधान के रूप में देखा जाता है, जबकि उनका वास्तविक प्रभाव मनोवैज्ञानिक होता है. मंत्र-जप, दान, व्रत या जीवनशैली में सुझाए गए छोटे परिवर्तन व्यक्ति को आत्मसंयम, अनुशासन और सकारात्मक सोच की ओर ले जाते हैं. इससे व्यक्ति को यह अनुभव होता है कि वह अपने जीवन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, न कि केवल परिस्थितियों का शिकार है.

मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर ज्योतिष की बढ़ती उपस्थिति भी समाज की इसी मानसिक आवश्यकता को दर्शाती है. हालाँकि, यहाँ जिम्मेदार प्रस्तुति अत्यंत आवश्यक है. भय पैदा करने वाली भविष्यवाणियाँ और अतिरंजित दावे न केवल भ्रम फैलाते हैं, बल्कि समाज के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं. जब ज्योतिष को संतुलित और संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया जाता है, तो यह आत्मचिंतन और संवाद का एक उपयोगी माध्यम बन सकता है.

अंततः ज्योतिष का महत्व भविष्य जानने में नहीं, बल्कि वर्तमान को समझने में है. यह व्यक्ति को भाग्यवादी निष्क्रियता की ओर नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण और सजग जीवन की ओर प्रेरित करता है. इसी संतुलित दृष्टि के कारण ज्योतिष आज भी आधुनिक समाज में एक सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक सहारा बना हुआ है.आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती भविष्य की अनिश्चितता नहीं, बल्कि वर्तमान का मानसिक दबाव है. तेज़ प्रतिस्पर्धा, अस्थिर रोजगार, बदलते पारिवारिक ढाँचे और सामाजिक अपेक्षाएँ व्यक्ति को भीतर से थका देती हैं. ऐसे समय में ज्योतिष की ओर लोगों का रुझान केवल परंपरा या आस्था का विषय नहीं रह जाता, बल्कि यह जीवन को समझने और संतुलन खोजने का एक माध्यम बन जाता है.

भारतीय परंपरा में ज्योतिष को जीवन-दर्शन के रूप में देखा गया है. यह केवल यह नहीं बताता कि आगे क्या होगा, बल्कि यह समझाने का प्रयास करता है कि वर्तमान परिस्थितियाँ क्यों उत्पन्न हो रही हैं. जन्मकुंडली और ग्रहों की स्थिति व्यक्ति के स्वभाव, भावनात्मक संरचना और जीवन की प्रवृत्तियों को प्रतीकात्मक रूप में प्रस्तुत करती हैं. इससे व्यक्ति अपने अनुभवों को एक क्रम और अर्थ के साथ देख पाता है.

मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में ज्योतिष की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है. जब कोई व्यक्ति तनाव, अवसाद या असमंजस से गुजरता है, तो उसे केवल समाधान नहीं, बल्कि आश्वासन और समझ की आवश्यकता होती है. ज्योतिषीय परामर्श में समय-चक्र की अवधारणा यह बोध कराती है कि जीवन की कोई भी स्थिति स्थायी नहीं होती. कठिन समय भी गुजरता है और परिवर्तन संभव होता है. यही समझ व्यक्ति को धैर्य और मानसिक स्थिरता प्रदान करती है.

ज्योतिषीय उपायों का उद्देश्य किसी चमत्कार का वादा करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को सकारात्मक कर्म और अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित करना है. मंत्र-जप मन को एकाग्र करता है, दान सामाजिक जुड़ाव बढ़ाता है और व्रत आत्मसंयम सिखाते हैं. इन उपायों का सम्मिलित प्रभाव व्यक्ति के दृष्टिकोण और व्यवहार पर पड़ता है, जिससे वह स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करता है.

डिजिटल युग में ज्योतिष की पहुँच बढ़ी है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है. मीडिया में ज्योतिषीय सामग्री का प्रस्तुतीकरण यदि भय और सनसनी पर आधारित होगा, तो यह समाज के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है. इसके विपरीत, यदि इसे जीवन-समझ और सांस्कृतिक संवाद के रूप में प्रस्तुत किया जाए, तो यह आधुनिक समाज में एक सकारात्मक भूमिका निभा सकता है.

बसंत पंचमी पर पीले वस्त्र पहनने की परंपरा का रहस्य

बसंत पंचमी का पर्व भारतीय संस्कृति में ज्ञान, कला और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है. इस दिन जहां एक ओर मां सरस्वती की पूजा होती है, वहीं दूसरी ओर चारों तरफ पीले रंग की छटा दिखाई देती है. लोग पीले वस्त्र पहनते हैं, घरों में पीले फूल सजाए जाते हैं और भोजन में भी पीले रंग के व्यंजन बनाए जाते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बसंत पंचमी पर पीले रंग को ही इतना महत्व क्यों दिया गया?

दरअसल, पीला रंग केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्रकृति, विज्ञान, आयुर्वेद और मनोविज्ञान से जुड़ी कई वजहें छिपी हैं. सर्दियों के बाद जब बसंत ऋतु का आगमन होता है, तब यह रंग ऊर्जा, उल्लास और नई चेतना का संदेश देता है. यही कारण है कि सदियों से यह परंपरा चली आ रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक बनी हुई है. बसंत पंचमी पर पीला रंग पहनना मानो जीवन में सकारात्मक बदलाव और ज्ञान के प्रकाश को आमंत्रण देना है. बसंत पंचमी को 'ऋतुराज बसंत' का स्वागत पर्व भी कहा जाता है. इस समय प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में दिखाई देती है. खेतों में सरसों के पीले फूल, पेड़ों पर नई कोपलें और वातावरण में उल्लास भर जाता है. यही प्राकृतिक बदलाव पीले रंग को बसंत का प्रतीक बनाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सरस्वती को पीला और सफेद रंग अत्यंत प्रिय है. ये रंग ज्ञान, शांति, सादगी और विवेक का प्रतीक माने जाते हैं. इसलिए इस दिन पीले वस्त्र धारण कर पूजा करने से बुद्धि, विद्या और कला में वृद्धि होती है, ऐसी मान्यता है. विद्यार्थी विशेष रूप से इस दिन पीला पहनकर सरस्वती वंदना करते हैं. वहीं, रंगों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव की बात करें तो पीला रंग दिमाग को सक्रिय करता है. यह एकाग्रता बढ़ाने, नकारात्मक विचारों को दूर करने और मन में प्रसन्नता लाने में सहायक माना जाता है.

गुप्त नवरात्रि
घर पर ऐसे करें मां दुर्गा की साधना

हिंदू धर्म में नवरात्रि को शक्ति उपासना का सबसे पावन पर्व माना जाता है. आमतौर पर शारदीय और चैत्र नवरात्रि को बड़े स्तर पर मनाया जाता है, लेकिन इनके अलावा साल में दो बार आने वाली गुप्त नवरात्रि का भी विशेष धार्मिक और तांत्रिक महत्व है. इन्हीं में से एक है माघ माह की गुप्त नवरात्रि, जो साधकों और तपस्वियों के लिए अत्यंत फलदायी मानी जाती है. माघ गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा बाहरी आडंबर से दूर, पूर्ण गोपनीयता के साथ की जाती है. मान्यता है कि इस दौरान की गई साधना जितनी गुप्त होती है, उसका फल उतना ही शीघ्र और प्रभावशाली मिलता है. यह नवरात्रि विशेष रूप से 10 महाविद्याओं की उपासना से जुड़ी होती है, जिनका संबंध शक्ति, सिद्धि और आत्मबल से है.

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ गुप्त नवरात्रि 2026 की शुरुआत 19 जनवरी, सोमवार से होगी और इसका समापन 27 जनवरी को होगा. इन नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों और 10 महाविद्याओं की विशेष साधना की जाती है. यह नवरात्रि खास तौर पर तंत्र-मंत्र, साधना और आत्मिक शक्ति की प्राप्ति के लिए जानी जाती है.

घट स्थापना के लिए 19 जनवरी को सुबह 6 बजकर 43 मिनट से 10 बजकर 24 मिनट तक का समय शुभ माना गया है. इसके अलावा उसी दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 53 मिनट से 12 बजकर 36 मिनट तक रहेगा. इस दौरान घट स्थापना और पूजा आरंभ करना विशेष फलदायी माना जाता है.

गुप्त नवरात्रि का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इसका संबंध सीधे 10 महाविद्याओं — काली, तारा, षोडशी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला से जुड़ा है.

आंगन में कबूतर आना माना जाता है शुभ संकेत

भारतीय लोक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र में आंगन का विशेष महत्व है. कहा जाता है कि यदि किसी घर के आंगन में कबूतर आकर बसेरा करें या बार-बार दिखाई दें, तो यह शुभ संकेत होता है. कबूतर शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं. ग्रामीण और शहरी—दोनों ही क्षेत्रों में आज भी लोग इसे सुख-समाचार और उन्नति से जोड़कर देखते हैं. भारतीय संस्कृति में प्रकृति और जीव-जंतुओं को केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन के संदेशवाहक के रूप में माना गया है. कबूतर का आंगन में आना भी इसी परंपरा का एक हिस्सा है.

प्राचीन समय से ही कबूतर को शांति, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक माना गया है. यही कारण है कि कई धार्मिक स्थलों, मंदिरों और ऐतिहासिक इमारतों के आसपास कबूतरों की उपस्थिति सामान्य मानी जाती है. लोक मान्यताओं के अनुसार, यदि कबूतर किसी घर के आंगन में बार-बार आएं, तो यह संकेत देता है कि उस घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह है. ऐसा माना जाता है कि कबूतर वहीं टिकते हैं जहां वातावरण शांत, सुरक्षित और संतुलित हो. आंगन में कबूतरों का आना घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, समझ और सौहार्द को दर्शाता है. वास्तु शास्त्र में भी कबूतर को शुभ माना गया है.

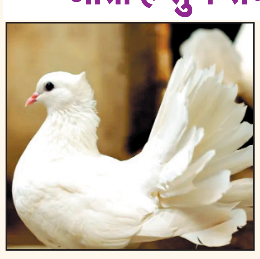

वास्तु के अनुसार, कबूतरों का आंगन में आना इस बात का संकेत हो सकता है कि घर की दिशाएं संतुलित हैं और वहां नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम है. खासतौर पर यदि कबूतर उत्तर या पूर्व दिशा की ओर आकर बैठते हैं, तो इसे धन, स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए अच्छा संकेत माना जाता है.धार्मिक दृष्टि से देखें तो कबूतर का संबंध देवत्व से भी जोड़ा जाता है. कई मान्यताओं में कबूतर को देवी-देवताओं का दूत माना गया है. कहा जाता है कि कबूतर शुभ समाचार लेकर आते हैं.

तिजोरी में रखने वाली 5 चीजें देती हैं शुभ संकेत

तिजोरी को सिर्फ पैसे और कीमती सामान रखने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि इसे घर में समृद्धि और सौभाग्य लाने वाले केंद्र के रूप में देखा जाता है. प्राचीन समय से ही परिवार के लोग तिजोरी में कुछ खास वस्तुएँ रखने की परंपरा निभाते आए हैं.वास्तु शास्त्र के अनुसार, तिजोरी को घर के उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है और इसमें कुछ विशेष चीजें रखने से धन, सुख-शांति और सफलता बढ़ती है.

घर की तिजोरी केवल पैसे रखने की जगह नहीं है, बल्कि इसे वास्तु और शुभ संकेतों के अनुसार सजाना आर्थिक स्थिरता और समृद्धि के लिए लाभकारी माना जाता है. वास्तु शास्त्र और परंपरा दोनों में कुछ खास चीजें तिजोरी में रखने से धन, सौभाग्य और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है. भारत में तिजोरी को सिर्फ पैसे और कीमती सामान रखने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि इसे घर में समृद्धि और सौभाग्य लाने वाले केंद्र के रूप में देखा जाता है. प्राचीन समय से ही परिवार के लोग तिजोरी में कुछ खास वस्तुएँ रखने की परंपरा निभाते आए हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, तिजोरी को घर के उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है और इसमें कुछ विशेष चीजें रखने से धन, सुख-शांति और सफलता बढ़ती है.

सिक्के और नए नोट

तिजोरी में हमेशा कुछ नए और साफ-सुथरे नोट और सिक्के रखना शुभ माना जाता है. पुराने और फटे नोट रखना अशुभ माना जाता है क्योंकि ऐसा करने से धन में स्थिरता नहीं रहती. नए नोट और सिक्के समृद्धि और आर्थिक विकास का प्रतीक माने जाते हैं. विशेषज्ञ कहते हैं कि समय-समय पर पुराने नोट बदलकर नए नोट रखना भी लाभकारी होता है.

चांदी या मिट्टी के छोटे बर्तन

वास्तु शास्त्र में तिजोरी में चांदी या मिट्टी के छोटे पात्र रखने को लाभकारी माना गया है. चांदी के बर्तन घर में धन और सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं. मिट्टी के बर्तन भी परंपरा में धन और स्थायित्व का प्रतीक माने जाते हैं. इन बर्तनों में कुछ सिक्के रखकर तिजोरी में रखा जा सकता है. यह प्राचीन रीति-रिवाजों के अनुसार घर में धन की वृद्धि का संकेत माना जाता है.

तिजोरी सिर्फ पैसे रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह घर में समृद्धि, सौभाग्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है. वास्तु और परंपरा के अनुसार तिजोरी में सिक्के, नए नोट, चांदी के बर्तन, भगवान गणेश की मूर्ति, लाल कपड़े में रखी वस्तुएँ और अन्य शुभ प्रतीक रखने से घर में धन, सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है. अगर तिजोरी को सही दिशा और शुभ वस्तुओं के साथ रखा जाए, तो यह न केवल आर्थिक स्थिरता बढ़ाता है, बल्कि घर के वातावरण को भी सकारात्मक बनाता है.

भगवान गणेश की मूर्ति या तस्वीर

भगवान गणेश को सुख-शांति और समृद्धि के देवता के रूप में जाना जाता है. तिजोरी में उनकी छोटी मूर्ति या तस्वीर रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और परिवार के सभी सदस्य शांत और संतुलित रहते हैं. वास्तु शास्त्र में इसे अत्यंत शुभ माना गया है. माना जाता है कि गणेश जी तिजोरी में धन और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करते हैं.

लाल कपड़े में रखी कीमती वस्तुएँ

लाल रंग को वास्तु में शुभ और सकारात्मक ऊर्जा का रंग माना जाता है. तिजोरी में लाल कपड़े में कुछ कीमती वस्तुएँ, सिक्के या अन्य प्रतीक रखना धन और सौभाग्य बढ़ाने के लिए लाभकारी होता है. यह वस्तुएँ घर के वातावरण को सकारात्मक बनाती हैं और धन-संपत्ति में स्थिरता लाती हैं.

उन्नति और समृद्धि के प्रतीक

तिजोरी में कभी-कभी क्रिस्टल, स्वर्ण, सात मुख वाला सिक्का या अन्य शुभ प्रतीक रखना भी लाभकारी माना जाता है. इन प्रतीकों को घर में धन और समृद्धि बढ़ाने के लिए शुभ माना जाता है. कुछ लोग तिजोरी में तुलसी के पत्ते या अन्य छोटे धार्मिक प्रतीक भी रखते हैं ताकि धन और सौभाग्य हमेशा बना रहे. तिजोरी को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखें. कभी भी तिजोरी में ऋण या कर्ज से संबंधित दस्तावेज़ न रखें. तिजोरी खोलते समय सम्मान और सकारात्मक सोच बनाए रखें. घर के सभी सदस्य तिजोरी के साथ जुड़ी परंपराओं का सम्मान करें.

राशिफल

दिनांक- 18 से 24 जनवरी 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य मकर राशि में, मंगल मकर राशि में, बुध मकर राशि में, वक्री गुरू मिथुन राशि में, शुक्र मकर राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा धनु मकर कुम्भ और मीन राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- इस सप्ताह मंदी के बड़े अवसर मिलेगें. स्टॉक करने से आगे लाभ होगा. तेल सरसों राई अलसी, मूंगफली तिल तेल सोयाबीन, सूर्यमुखी बिनौला आदि शनि राहु के प्रभाव से बाजार दोनों ओर बड़े उतार-चढ़ाव रहेगें. व्यापारियों में भ्रम की स्थिति होगी. मंदी के रियेक्शन देखने को मिलेगें. मंगल बुध शुक्र मकर राशि में और वक्री गुरू गेहूं, चांवल, बाजरा, मक्का इन सभी में झटके की तेजी होगी. बीच-बीच में मंदी के रियेक्शन भी आयेगें.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

रविवार	18 जनवरी को	मौनी अमावस्या, स्नानदान श्राद्ध अमावस्या,
सोमवार	19 जनवरी को	गुप्त नवरात्रारम्भ,
मंगलवार	20 जनवरी को	चन्द्रदर्शन,
बुधवार	21 जनवरी को	वीर हेमू कालाणी शहीद दिवस,
गुरूवार	22 जनवरी को	वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, तिलकुंद चतुर्थी,
शुक्रवार	23 जनवरी को	बसंत पंचमी, श्रीपंचमीं

मेष

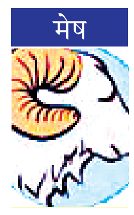

अपने आसपास का माहौल खुशनुमा पायेंगे, मेहमानबाजी में आनन्द महसूस करेंगे, आफिस में आपके खुले विचारों को कोई पसंद नहीं करेगा, अतीत से वर्तमान के साथ सामंजस्य बैठाने की कोशिश करेंगे, शेयर में धन निवेश से परहेज करें, व्यवसाय में सावधानी बरतें, आपसी संबंधों में अनदेखी न करें, संतान की उन्नति होगी, गुमी वस्तु मिलने का योग है.

वृषभ

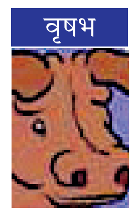

आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेंगे, घर के सदस्यों के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा. आस पड़ौस या रिश्तेदारों के साथ संबंध सुधरेंगे, सप्ताह में व्यवसाय व्यापार के विस्तार की संभावना बनती है, मेल मुलाकात उपयोगी रहेगी, घरेलू आयोजन आनन्ददायक रहेगा, अधिनस्थ आपका सहयोग करेंगे.

मिथुन

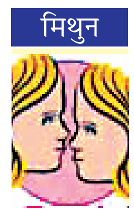

कार्य क्षेत्र में आपको प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा. आपको उत्तराधिकार का अवसर मिल सकता है, उदारता पर अंकुश रखे तो राहत मिलेगी. छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, सप्ताह में किसी रिश्तेदार से सुखद समाचार मिलेगा कामकाजी महिलाओं को परेशानी होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

कर्क

परिस्थिति के अनुकूल विनम्रता अच्छी सफलता दिला सकती है, बहसबाजी और मुंह पर बोलने की आदत पर रोक लगायें, कार्य और व्यापार को सिर्फधन कमाने का साधन ही नहीं समझें, बल्कि प्रतिष्ठा का आधार भी मानें, सामाजिक जिम्मेदारी अच्छे से निभायेंगे,परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, कार्यक्षेत्र में प्रभावशाली सिद्ध होंगे.

सिंह

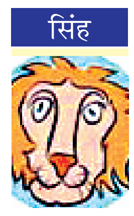

आपको कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिये अधिकारी दबाव बना सकते हैं, पद प्रतिष्ठा प्राप्ति का योग है, पारिवारिक जीवन में प्रेम आनन्द की अनुभूति मिलेगी, सप्ताह के मध्य विपरीत परिस्थिति से डटकर मुकाबला करना पड़ेगा, आप सही और गलत के बीच उलझ सकते हैं, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कन्या

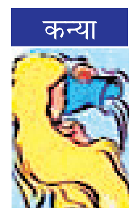

पहिले से चले आ रहे कार्य जारी रहेंगे, नये कार्यो में हाथ न डालें, लंबे समय से जिस सफलता की उम्मीद कर रहे हैं, वह मिलेगी, कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों का सामना करना पड़ेगा. जोड़ों का दर्द, बुखार आदि से परेशानी हो सकती है, पारिवारिक कार्यो में सफलता मिलेगी. भावनात्मक संबंधों में निकटता आयेगी, प्रापर्टी से अच्छा लाभ मिलेगा.

तुला

कुछ अच्छे दोस्त बन सकते हैं, जो आगे आपकी मदद कर सकते हैं, घरेलू कार्यो को जिम्मेदारी से करें, टालमटोल की प्रवृत्ति का परिणाम हानिप्रद हो सकता है, घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा, सप्ताह के मध्य बढ़ते हुये खर्च सामने आयेंगे, व्यापार की कार्य योजना का विस्तार होगा, अधिक जल्दबाजी से निर्णय न करना हितकर रहेगा, सत्संग में रूचि बढ़ेगी.

वृश्चिक

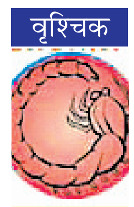

यदि आप अस्वस्थ्य और कमजोर हैं, तो स्वास्थ्य में सुधार होगा, नये पार्टनरशिप के साथ कार्य के लिये समय अनुकूल है, अपने कार्य की क्षमता को पहचानकर कार्य करें, घरेलू मामलों के लिये सप्ताह अच्छा है, सप्ताह के उत्तरार्ध में भाग्य साथ देगा, नौकरी में स्थान बदलने का मौका मिल सकता है, लक्ष्य की प्राप्ति के लिये आपको अत्याधिक खर्च और परिश्रम करना पड़ेगा.

धनु

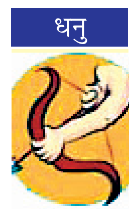

आपके अधिकारी व शुभचिन्तक धन कमाने में आपकी सहायता करेंगे, व्यापार से जुड़े लोग बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, आप अपने से जुड़े लोगों के साथ संवाद बनाये रखें, सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सफलता दिलायेगा, कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी, आमदानी में वृद्धि होगी, जीवनसाथी की अपेक्षायें बढ़ेंगी, माता पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

मकर

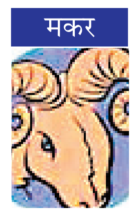

अकेले काम का बोझ उठा लेने से आपको नुकसान हो सकता है, अपने सहकर्मियों या अधिनस्थों के कारण कुछ परेशानी हो सकती है, नये कारोबार की शुरूआत ठीक रहेगी, पुवृषभ गलती को सुधारकर आगे बढ़ें, जीवन आसान हो जायेगा, कार्यक्षेत्र में आप मुश्किलों का डटकर सामना करेंगे, सप्ताह में आपको प्रयासों में अच्छी सफलता मिलेगी.

कुम्भ

इस सप्ताह सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे, अपने घर में आप निर्माण संबंधी कोई सुधार कर सकते हैं, पुराना घर बेचकर नया घर खरीदने पर विचार होगा. अविवाहितों को मनचाहा जीवनसाथी मिल सकता है, धार्मिक यात्रा होगी, छात्रों को कई मुश्किलों का सामना हो सकता है, व्यवसायिक वर्ग को नये अनुबंधों में शामिल होने के पहले गंभीरता से विचार करना चाहिये.

मीन

इच्छित सफलता के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव है, प्रापर्टी के कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा, व्यापारी आयात निर्यात के बारोबार की शुरूआत कर सकते हैं, आप अतिरिक्त जिम्मेदारी को आसानी से निभा लेंगे, सप्ताह के शुरूआत में आप भ्रमण की स्थिति में रहेंगे, परन्तु धीरे धीरे आप नये आयामों की ओर बढ़ेंगे. वित्तीय स्थिति से संतुष्ट रहेंगे.